May 2017 subject reports

Hindi A: literature

Overall grade boundaries

Higher level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 16	17 - 30	31 - 43	44 - 57	58 - 71	72 - 84	85 - 100

As there were very few candidates entered for HL this session, it is inappropriate to draw conclusions on candidate performance.

Standard level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 16	17 - 30	31 - 43	44 - 57	58 - 71	72 - 82	83 - 100

Standard level internal assessment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 4	5 - 8	9 - 12	13 - 16	17 - 19	20 - 23	24 - 30

International Baccalaureate
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

कविता के केंद्रीय भाव, कविता की रचना शैली एवं साहित्यिक साधनों के उपयोग पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था जो सर्वथा उचित है। पूछे गए दोनों प्रश्न उपयुक्त थे। अधिकांश विद्यालयों ने हरिवंशराय बच्चन की कविता मधुशाला का चयन किया था। गोस्वामी तुलसीदास एवं अटलबिहारी वाजपेयी की कविताओं का चयन इस बार कुछ विद्यालयों द्वारा किया था। शिक्षकों द्वारा दिए गए अंकों एवं परीक्षक द्वारा दिए गए अंकों में समानता पाई गई है। परीक्षार्थियों की प्रस्तुति में कविता के विषयवस्तु एवं व्यक्त भावों की गहरी समझ,विश्लेष्णात्मक सोच की गहराई, भाषा दक्षता, कविता एवं कवि से भली भाँति परिचय का संकेत मिला। अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति में कविता के मूलभाव की समझ, पंक्तियों में व्यक्त वेदनाओं का वर्णन, काव्यगत विशेषताओं पर टिप्पणी की झलक मिलती है। इनकी प्रस्तुति सराहनीय रही है। शिक्षक एवं परीक्षक द्वारा प्रदत अंकों में काफी हद तक समानता दिखी।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

मूल्यांकन ए: इस मूल्यांकन बिन्दु में अधिकतर परीक्षार्थियों ने कविता के विषयवस्तु के संदर्भ मे अपने ज्ञान एवं कविता की अच्छी समझ, संदर्भगत व्याख्या व जानकारी प्रस्तुत की। कवियों का चयन लेखकों की निर्धारित सूचि से किया गया था।

मूल्यांकन बी: इस मूल्यांकन बिन्दु में कवि के दृष्टिकोण को सहज रूप से आत्मसात कर अधिकतर परीक्षार्थियों नें कवियों द्वारा प्रयुक्त शब्द, उनकी भाषा एवं शैली, कविता की प्रस्तुति एवं प्रभाव पर अपने विचार प्रकट किए। इस मूल्यांकन बिन्दु में भी अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति बहुत अच्छी रही। वहीं कुछेक परीक्षार्थियों ने सामान्य प्रस्तुति दी।

मूल्यांकन सी : इस मूल्यांकन बिन्दु के अंतर्गत अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति अच्छी रही और उन्होंनें उच्च अंक प्राप्त किए। इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों ने अपनी प्रस्तुति योजनाबद्ध एवं प्रभावी ढंग से दी। अधिकांश परीक्षार्थियों द्वारा प्रस्तुति का आरम्भऔरअंत बहुत ही प्रभावी,स्पष्ट तरीके से किया।

मूल्यांकन डी : इस मूल्यांकन बिन्दु के दौरान चर्चा में परीक्षार्थियों नें संबन्धित विषयवस्तु की अच्छी जानकारी एवं इसके समग्र प्रभाव पर अपनी समझ को प्रकट किया। इस क्रम में पी. एल. ए. हिन्दी के चयनित लेखकों की रचनाओं के आधार पर प्रस्तुति दी।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

परीक्षार्थी मूल्याकन बिन्दुओं से पूर्णतया परिचित हों। रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हों। रिकॉर्डिंग का अभ्यास कराया जाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े। अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि परीक्षार्थियों की भाषा शुद्ध, सटीक एवं विषयानुकूल हो। पद्यांश का ज्ञान के साथ साथ पद्यांश की संदर्भगत व्याख्या भी अति महत्त्वपूर्ण है। परीक्षार्थी कवि की रचनाओं के साथ साथ कवि की शैली से भी परिचित हों। योजनाबद्ध तरीके से अभ्यास करते हुए सुगठित धाराप्रवाह, तार्किक, स्पष्ट कमेंटरी विकसित करने हुए अभ्यास कराएं

International Baccalaureate
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

जाएँ। परीक्षार्थियों को अपने मत प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।प्रस्तुतीकरण में समय एवं स्वानुभूति का ध्यान रखा जाए।

Standard level written assignment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 6	7 - 9	10 - 12	13 - 15	16 - 18	19 - 20	21 - 25

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

इस वर्ष कुल 117 हिन्दी परीक्षार्थियों ने अपना आलेख प्रस्तुत किया। परीक्षार्थियों ने 'एडवेंचरस ऑफ हकलेबेरी फिन','ऑथेलो' के आधार पर इयागो का चरित्र, 'हेमलेट' नाटक के पात्र, 'गुड़िया घर', 'पिता और पुत्र' उपन्यास में साहित्यिक तत्वों का विश्लेषण, 'अल्बर्टकामू', 'अजनबी', 'चेरी का बगीचा', 'हेड्डा गेबलर', 'तीन बहने' , इत्यादि शीर्षकों के अंतर्गत सारगर्भित लेख प्रस्तुत किया जिनमे उनके व्यक्तिगत मत एवं विचारों का क्रमबद्ध विकास दिखता है। सामान्यत: अधिकांश लिखित कार्य में परीक्षार्थियों की प्रस्तुति पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी, शैली एवं संरचना की अच्छी जानकारी का द्योतक है। परीक्षार्थी विषय से परिचित थे एवं चयनित पहलुओं को स्पष्ट रूप से विश्लेषित किया। अधिकतर परीक्षार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त किए। चिंतनशील वक्तव्य एवं लेख का गठन एवं विकास सही था, साथ ही साथ एक नवीन एवं अपरिचित समाज व संस्कृति से परिचय के प्रमाण भी मिलते है।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

प्रदर्शन सभी मूल्यांकन बिन्दु के आधार पर परीक्षार्थियों की मौखिक प्रस्तुति मिली जुली रही है, कुछ विद्यार्थियो ने अच्छे लेख प्रस्तुत किए वहीं कुछ ने उत्कृष्ट भी। **मूल्यांकन 'ए'-** चिंतनशील कथन अथवा लेख के औचित्य हेतुशब्द सीमा का पालन किया गया है। लगभग सभी परीक्षार्थियों ने इस मूल्यांकन कसौटी का पालन किया है।

मूल्यांकन बी :इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों ने लेख के लिए पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी एवं अपनी समझ को प्रस्तुत किया है। साथ ही साथ परीक्षार्थियों ने लेख के लिए चयनित शीर्षक एवं पुस्तक से तादात्म्य स्थापित करने मे सफलता प्राप्त की है। निस्संदेह चुने गए शीर्षक एवं उसके आधार पर प्रस्तुत लिखित कार्य अच्छा रहा है। **मूल्यांकन सी :**इस मूल्यांकन बिन्दु के अंतरगर्त अधिकतर परीक्षार्थियों नें लेखक की भाषा, शैली, रचना एवं दृष्टिकोण किस प्रकार उनके अर्थ प्रकट करने में सहायक है, पर अच्छी खोजबीन की है। **मूल्यांकन डी :**इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों नें सही प्रारूप का उपयोग किया एवं लेख

की रचना, संगठन एवं विकास की दृष्टि से औपचारिकताओं का पालन किया गया है। अधिकांश लेखों में विचारो का विकास एवं विश्लेषण परिलक्षित होता है। शब्द सीमा का पालन किया गया।

मूल्यांकन ई :लेख के लिए परीक्षार्थियों द्वारा प्रयुक्त भाषा स्पष्ट, सही शब्दावली एवं सही वाक्य संरचना एवं प्रभावोत्पादक लेख प्रस्तुत किए गए। अधिकतम अंक प्राप्त करने के व्याकरणिक दोषों से बचना होगा। परीक्षार्थियोंको व्याकरणिक और भाषाई अशुद्धियों को बेहतर प्रूफ रीड ठीक से पढ़ कर संशोधित करने की आवश्यकता है।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

सर्वप्रथम सही चिंतनशील कथन /वक्तव्य प्रस्तुत करने के लिए चयनित पुस्तकों का संदर्भ एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने की नितांत आवश्यकता है। चिंतनशील बयान की प्रस्तुति में परीक्षार्थियों को परीक्षा एवं मूल्यांकन बिन्दुओं की आवश्यकता को समझने की आवश्यकता है। हिन्दी अध्यापक के द्वारा लेख का अच्छा परिचय एवं अच्छा चिंतनशील कथन लिखने हेतु परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। परीक्षार्थियों को स्वमत प्रकट करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे सृजनात्मक लेख लिखे जाए और परीक्षार्थियों अपने मौलिक विचारों को प्रस्तुत कर सकें। परीक्षार्थियों को साहित्यिक, रचना एवं शैलीगत विशेषताओं से परिचित कराया जाए। लेख को समृद्ध एवं तार्किक बनाने में उद्धरणों, वक्तव्यों, सूक्तियों का उपयोग किस प्रकार किया जाये, इसे बताया जाना चाहिए एवं अभ्यास कराया जाए जिसे उनकी व्याख्या सुस्पष्ट हो। हिन्दी अध्यापकों के द्वारा परीक्षार्थियों को मूल्यांकन मानदंडों को समझने में मददकरनी चाहिए तथा चिंतनशील कथनकी मांग को भी समझाने की आवश्यकता है। भाषा व्याकरण एवं प्रूफ संशोधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

Standard level paper one

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 2	3 - 5	6 - 8	9 - 11	12 - 14	15 - 17	18 - 20

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होनेवाले संभाग

स्टैंडर्ड स्तर के परीक्षार्थियों मे गद्य (कहानी- कटी पतंग) और पद्य (कविता- माँ अब मैं बोलूंगी) समान रूप से लोकप्रिय प्रतीत हैं। लगभग आधे परीक्षार्थियों ने कहानी के मर्म पर अपनी साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की है वहीं आधे ने कविता के भाव और शिल्प पर साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की है। कुछ परीक्षार्थियों ने सभी मूल्यांकन बिन्दुओं में अच्छे अंक प्राप्त किए किए हैं। कुछ

परीक्षार्थियों ने सतही तौर पर उत्तर देने का प्रयास किया है, अधिकांश परीक्षार्थियों ने कविता की अच्छी साहित्यिक व्याख्या की है।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतःतैयार लगे

परीक्षार्थियों ने पदयांश पर अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की है। उनकी व्याख्या न केवल कविता के भाव को समेटे है वरन कवि द्वारा प्रयुक्त बिम्ब, प्रतीक एवं अन्य साहित्यिक विशेषताओं की चर्चा की है। परीक्षार्थियों ने गद्य/ पद्य आधारित सहायक प्रश्नों का उपयोग कर सटीक व्याख्या प्रस्तुत की है।

प्रश्नविशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

परीक्षार्थियों को मूल्यांकन ए, बी, सी, डी मापदंड के अंतर से अवगत होना होगा। परीक्षार्थियों ने कविता की अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की है। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यार्थियों ने कहानी की व्याख्या सतही तौर पर की। कहानी को दुहराने की प्रवृति से बचना चाहिए।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

परीक्षार्थियों को साहित्यिक व्याख्या लिखने हेतु अभ्यास करना चाहिए। सहायक प्रश्नों के उपयोग एवं व्यक्तिगत व्याख्याओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। परीक्षार्थियों को विशेष रूप से भाषा, संरचना, शैली और तकनीक पर ध्यान केंद्रित कर गद्य और कविताओं दोनों पर साहित्यिक टिप्पणियां लिखने का पर्याप्त अभ्यास करना चाहिए। परीक्षार्थियों को गद्यांश या पद्यांश को दुहराने से बचना चाहिए।

Standard level paper two

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 4	5 - 8	9 - 11	12 - 15	16 - 20	21 - 22	23 - 25

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

अधिकांश परीक्षार्थियों ने हिन्दी साहित्य स्टैंडर्ड लेबल भाग दो के अंतर्गत उपन्यास विधा के प्रश्न 4,5,6को चुना है. कुछ अन्य परीक्षार्थियों ने प्रश्न संख्या , 1 और 2 (कविता) और 10

(नाटक/एकाँकी) का चयन किया है। अधिकांश परीक्षार्थियों ने पूछे गए प्रश्न का उत्तर न देकर भाग 3 के अंतर्गत पढ़ी गई पुस्तकों का वर्णन किया है।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतःतैयार लगे

कुछ परीक्षार्थियों ने कुछ अच्छी साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की। हिन्दी साहित्य की विधा कविता, उपन्यास और नाटक के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों की अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

परीक्षार्थी भाग 3 में पढ़ी गयी पुस्तकों से परिचित है। कुछ परीक्षार्थी ने अपनी पढ़ी गई रचनाओं का संदर्भ सहित तुलनात्मक साहित्यिक व्याख्या की है। यह अपेक्षित है कि परीक्षार्थी प्रश्न को समझे एवं संदर्भ के साथ अपनी प्रतिक्रिया स्वमत दें। व्याख्या की रचना, क्रमबद्धता एवं भाषा प्रयोग में कठिनाई देखी गयी है। इस वर्ष अधिकांश परीक्षार्थियों ने प्रश्न संख्या 4, 5, 6 (उपन्यास) और 10 (नाटक और एकांकी) का चयन किया था। परीक्षार्थियों ने मूल्यांकन बिन्दु ए के तहत अच्छे अंक प्राप्त किए। सबसे बड़ी कठिनाई मूल्यांकन बिंदु सी और ई में देखी गयी। अधिकांश परीक्षार्थियों ने विचारों का आयोजन संगठित और पर्याप्त ढंग किया। अधिकांश परीक्षार्थियों ने भाषा का सीमित एवं पर्याप्त उपयोग किया था। वाक्य संरचना व्याकरणिक दृष्टि से सीमित थे ।

प्रश्न 1 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास कुछेक परीक्षार्थियों ने किया। जिन परीक्षार्थियों ने इस प्रश्न का उत्तर दिया, उन्होने पूछे गए प्रश्न व्यक्तिगत अनुभवों को कविता में प्रस्तुत करने में अलंकारों की भूमिका और उसके महत्त्व का संदर्भगत और तुलनात्मक उत्तर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में देते हुए अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 2 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास केवल एक परीक्षार्थी ने किया। पूछे गए प्रश्न कविता के समापन और उसके प्रभाव पर परीक्षार्थी ने भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 3 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास केवल कुछ परीक्षार्थी ने किया। परीक्षार्थी ने पूछे गए प्रश्न शब्द चयन एवं प्रभावी भावनात्मक अभिव्यक्ति का उत्तर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 4 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास जिन परीक्षार्थियों ने किया, उन्होंने कुछ अच्छे निबंध प्रस्तुत किया, उन्होंने पूछे गए प्रश्न उपन्यासकारों द्वारा देश,काल और वातावरण के सृजन पर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 5 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास जिन परीक्षार्थियों ने किया, उन्होंने मूल्यांकन बिन्दुओं पर आधारित कुछ अच्छा और कुछ ने बहुत अच्छा निबंध प्रस्तुत किया, उन्होंने पूछे गए प्रश्न उपन्यास के सबसे महत्त्वपूर्ण वर्णात्मक पक्ष पर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 6 इस वर्ष परीक्षार्थियों की पहली पसंद प्रश्न 6 ही था। जिन परीक्षार्थियों ने इस प्रश्न का उत्तर दिया, उन्होंने मूल्यांकन बिन्दुओं पर आधारित कुछ उत्कृष्ट, अच्छा और कुछ ने बहुत अच्छा निबंध

International Baccalaureate
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रस्तुत किया, उन्होंने पूछे गए प्रश्न रचनाकारों द्वारा पात्रों के सृजन एवं पात्रों के माध्यम से आंतरिक संघर्ष, दुविधा का प्रकटीकरण पर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 7 इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास केवल कुछ परीक्षार्थी ने किया। कहानीकारों द्वारा परिस्थितियों के सृजन पर परीक्षार्थी ने भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा लेख प्रस्तुत किया।

प्रश्न 10 इस वर्ष परीक्षार्थियों की दूसरी पसंद का प्रश्न 10 ही था। जिन परीक्षार्थियों ने इस प्रश्न का उत्तर दिया, उन्होंने मूल्यांकन बिन्दुओं पर आधारित कुछ उत्कृष्ट, अच्छा और कुछ ने बहुत अच्छा निबंध प्रस्तुत किया, उन्होंने पूछे गए प्रश्न नाटक में निर्णायक घटनाओं के सृजन एवं प्रभाव पर भाग 3 की पढ़ी रचनाओं के संदर्भ में अच्छा एवं तुलनात्मक लेख प्रस्तुत किया।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियो से यह अपेक्षित है कि वे मूल्यांकन मानदंडों से अवगत हो तथा भिन्न भिन्न मूल्यांकन बिन्दुओं से अवगत हों तथा वे उनमे अंतर समझ सके। भाग 3 की पुस्तकों की जानकारी व समझ के साथ साथ पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना जान पाएँ। साहित्यिक व्याख्या लेखन एवं अतिरिक्त लेखन का अभ्यास कराया जाए। भाषा, व्याकरण और विराम चिह्नों की अशुद्धियों से भी बचाया जाए।

International Baccalaureate
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional